सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, बुधवार, 03 सितंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 232, पृष्ठः 8+4

आउटसोर्स कर्मियों के लिए अच्छी खबर अब तीन साल के लिए होगी भर्ती

» Pg 12

इनसाइड 11 लाख मनरेगा घोटाले का दोषी वीडीओ कैसे बहाल?... » Pg 10

सीएम योगी की बड़ी घोषणा

'भारत डीप टेक 2025' की दिशा में बढ़ेगा यूपी

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

» आईआईटी कानपुर से राष्ट्रीय डीपटेक सम्मेलन 'डीपटेक भारत 2025' का भव्य शुभारंभ

» इसका लाभ महानगरों तक सीमित न रहकर टियर-2 और टियर-3 शहरों तक पहुंचेगा

कानपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश अब अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्र में देश का अगुवा बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आईआईटी कानपुर से भारत के पहले राष्ट्रीय डीपटेक सम्मेलन 'डीपटेक भारत 2025' का शुभारंभ करते हुए यह बड़ा ऐलान किया।

सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक और बायोसाइंसेज जैसे क्षेत्रों पर गहन चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को 'डीपटेक भारत 2025' का नेतृत्व करना है और इसके लिए एक प्रभावशाली समिट का आयोजन बेहद आवश्यक है। उन्होंने घोषणा की कि आईआईटी कानपुर को डीपटेक इनोवेशन का केंद्र बनाया जाएगा, जहां से देश नई तकनीकी क्रांति की ओर बढ़ेगा।

डीपटेक पॉलिसी 2035 और एआई को-पायलट लॉन्च : कार्यक्रम के दौरान डीपटेक पॉलिसी 2035, देश का पहला डीपटेक एक्सेलेरेटर और भारत का पहला एआई को-पायलट लॉन्च किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पहलों से भारत वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में और मजबूत होगा। उन्होंने यह भी बताया कि डीपटेक इकोसिस्टम का लाभ अब केवल महानगरों तक सीमित न रहकर टियर-2 और टियर-3 शहरों तक पहुंचेगा। छोटे शहरों के स्टार्टअप्स और युवाओं को सीधा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच से जोड़ा जाएगा। इसके लिए गौतमबुद्ध नगर में भूमि आवंटित की गई है।

वैश्विक सहयोग और निवेश का मंच : सम्मेलन में डीआरडीओ, इसरो, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), रक्षा मंत्रालय सहित 200 से अधिक वेंचर कैपिटल फर्मों और उद्योग जगत के दिग्गजों ने हिस्सा लिया। उम्मीद जताई गई कि इस पहल से उत्तर प्रदेश और पूरे देश में हाई-टेक निवेश, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और नवाचार को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आईआईटी कानपुर की क्षमता आज की चुनौतियों का समाधान खोज सकती है। डीआरडीओ, इसरो और अन्य संस्थाओं के सहयोग से उत्तर प्रदेश पूरे देश को तकनीकी रूप से नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

दो लाख रिश्वत लेते यूको बैंक मैनेजर गिरफ्तार

मथुरा। मथुरा में यूको बैंक की मैनेजर गरिमा सिंह चौहान और दलाल मोहम्मद आरिफ को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते सीबीआई ने गिरफ्तार किया। फ्लोर मिल मालिक से सीसी लिमिट जारी करने के एवज में रिश्वत मांगी गई थी। शिकायत मिलने पर सीबीआई ने 10 दिन तक रेकी की और फिर दोनों को रंगे हाथों पकड़ा। न्यायालय ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मंडी चौराहे पर राधारानी नाम से फ्लोर मिल चलाने वाले कृष्ण मुरारी शर्मा ने यूको बैंक से एक करोड़ की सीसी लिमिट कराई थी। बैंक मैनेजर गरिमा सिंह चौहान निवासी कानपुर ने सीसी लिमिट स्वीकृत करने के बाद 90 लाख जारी किए थे, शेष 10 लाख रुपये रोक लिए थे। शेष राशि जारी करने के लिए चार लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई।

बड़ा कदम — लखनऊ में बाल भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने का दूसरा चरण, 10 बड़े बाजारों को चिन्हित किया गया

'लोग भिक्षावृत्ति को प्रोत्साहित न करें': डीएम विशाख जी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने अब बड़ा कदम उठाया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम विशाख जी ने कहा कि पहले चरण की सफलता के बाद अब दूसरे चरण में 10 बड़े बाजारों को बाल भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया जाएगा। ह्यह्यह्य

पिछले 6 माह से चल रहे अभियान में हजरतगंज, चारबाग, आलमबाग, बर्लिंग्टन, पॉलीटेक्निक समेत 19 प्रमुख चौराहों पर सख्ती दिखाई गई। नगर निगम, प्रोबेशन और AHQ की संयुक्त टीमों ने यहां से बच्चों को रेस्क्यू कर उनके स्कूलों में नामांकन कराया और परिवारों को काउंसलिंग देकर सरकारी योजनाओं से जोड़ा।

अब बाजारों में होगी निगरानी : डीएम विशाख जी ने बताया कि दूसरे चरण में 10 बड़े बाजारों को चिन्हित किया गया है। यहां पर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और टीमों की मदद से निगरानी की जाएगी। हर बाजार में निगरानी समिति बनाई जाएगी, जो टीमों से तालमेल करके कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों से प्रत्येक बाजार में एक निगरानी समिति की स्थापना करने हेतु अनुरोध किया गया, ताकि बाजार की निगरानी समिति के द्वारा टीमों से समन्वय करते हुए भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाना सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के द्वितीय चरण में आमजनमनस को भिक्षावृत्ति को प्रोत्साहित न करने हेतु जागरूकता अभियान भी शुरू किया जा रहा है। जिसमें आमजनमानस को भिक्षावृत्ति को प्रोत्साहित न करने के लिए प्रेरित एवं विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जाएगा। प्रशासन आम लोगों से अपील करेगा कि सड़कों और बाजारों में बच्चों को पैसे न दें, बल्कि प्रशासन को सूचना दें। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा ताकि लोग भिक्षावृत्ति को प्रोत्साहित न करें। नगर निगम और सेफसिटी कंट्रोल रूम से भी बाजारों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। वहीं निराश्रित लोगों को चिन्हित कर 'अपना घर आश्रम' भेजा जाएगा। सीडीओ, एडीसीपी ट्रैफिक, जिला प्रोबेशन अधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट, व्यापार मंडल के अध्यक्ष और स्वयंसेवी संगठन शामिल हुए।

निकाह के तीन महीने बाद दंपति की संदिग्ध मौत- एक ही दुपट्टे से लटकते मिले शव

» बाजार से लौटने के बाद कमरे में बंद हुए, कुछ देर बाद मिली घटना की खबर

» पुलिस-फोरेंसिक की जांच जारी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से साफ होगी सच्चाई

प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। मछरिया इलाके में मंगलवार की शाम एक नवविवाहित दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतकों की पहचान 20 वर्षीय साजिद और 20 वर्षीय सूफिया के रूप में हुई है। दोनों का निकाह तीन महीने पहले जून में हुआ था।जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर साजिद और सूफिया बाजार गए थे और करीब 15 मिनट बाद घर लौट आए। इसके बाद वे सीधे कमरे में चले गए। शाम तक बाहर न आने पर परिवार के लोगों ने आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा खोला गया तो दोनों के शव फंदे के सहारे लटके मिले। घटना की जानकारी फैलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

सूचना पाकर पुलिस और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने कमरे का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी भी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटनास्थल की स्थिति ने कई सवाल खड़े किए हैं। आशंका जताई जा रही है कि मामला सिर्फ आत्महत्या का नहीं भी हो सकता है। हालांकि अधिकारी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले वैज्ञानिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करने की बात कह रहे हैं।दंपति की मौत से दोनों परिवारों में कोहराम मचा है। सूफिया के माता-पिता और भाईयों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि निकाह के बाद से दोनों सामान्य जीवन जी रहे थे और किसी तरह के विवाद की जानकारी परिजनों के पास नहीं थी।पुलिस का कहना है कि परिवारजन अभी गहरे सदमे में हैं। शुरुआती जांच में कोई लिखित सुसाइड नोट नहीं मिला है। आसपास के लोगों से भी बयान लिए जा रहे हैं। पुलिस ने अपील की है कि अफवाहों से बचें और जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर न पहुंचें।

फ्लेक्सी शील्ड पॉली प्लास्ट ने किया लकी ड्रॉ, विजेताओं को मिले आकर्षक पुरस्कार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। देश की जानी-मानी कम्पनी फ्लेक्सी शील्ड पॉली प्लास्ट, जो प्रीमियम टारपॉलिन की निर्माता है, ने अपने डिस्ट्रीब्यूटर और डीलर्स के लिए लकी ड्रॉ का आयोजन किया। इस मौके पर विजेताओं को कई आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

लकी ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार एक्टिवा स्कूटी रहा, जिसे माँ तारा ट्रेडिंग गाजीपुर के अमन गुप्ता ने जीता। द्वितीय पुरस्कार 11 इंच टीवी, तृतीय पुरस्कार के रूप में 21 केतली, टोस्टर और सैंडविच मेकर, चतुर्थ पुरस्कार 116 एरिस्टोक्रेट ट्रॉली बैग तथा पंचम पुरस्कार में 51 एरिस्टोक्रेट बैग शामिल थे।पुरस्कार पाकर डिस्ट्रीब्यूटर और डीलर्स के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर मुख्य रूप से जीतेंद्र गुप्ता, मिथलेश गुप्ता, राहुल गुप्ता, गौरी गुप्ता, सोनम गुप्ता और कृवित गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कंपनी द्वारा निर्मित टारपॉलिन एक बड़ी, टिकाऊ और जलरोधी शीट होती है, जिसका उपयोग वस्तुओं, सतहों और क्षेत्रों को बारिश, धूप और हवा जैसे प्राकृतिक तत्वों से बचाने के लिए किया जाता है। पहले टारपॉलिन तारकोल से बनाए जाते थे, जबकि आधुनिक टारपॉलिन पॉलीइथिलीन या पॉलिएस्टर जैसे प्लास्टिक से तैयार किए जाते हैं और इन पर अतिरिक्त मजबूती व जलरोधी क्षमता के लिए पॉलीयूरेथेन की परत चढ़ाई जाती है। ये निर्माण, कृषि, आपातकालीन राहत और कैम्पिंग जैसे व्यक्तिगत उपयोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित होते हैं।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आधू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333
हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

कानपुर सिटी में जलापूर्ति और सीवरेज नेटवर्क हुआ और मजबूत

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि कानपुर नगर निगम की बड़ी उपलब्धि है कि जलापूर्ति योजनाओं का फायदा शहरियों को मिलेगा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर आयुक्त सुधीर कुमार के नेतृत्व में कानपुर नगर निगम के जलकल विभाग ने बीते एक वर्ष में जलापूर्ति और सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक विकास कार्य किए हैं। इन कार्यों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना और स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना है।

बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए पंपिंग सेट लगाए गए, नालों की सफाई और पुलियों के सुधार कार्य किए गए। आईआईटी परिसर, शिवली रोड, कल्याणपुर, जनरलगंज, बर्रा समेत कई जोनों में स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कार्य प्राथमिकता से पूरे किए गए।नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने पिछले एक माह में अपने दैनिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया और नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित किया। इस दौरान मिली समस्याओं का समाधान तत्काल कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पेयजल आपूर्ति में सुधार

नगर निगम ने विभिन्न जोनों में 41,315 मीटर (41.31 किमी) पेयजल पाइप लाइन बिछाई है।

इस पर लगभग 21.77 लाख की धनराशि व्यय की गई। इसके साथ ही कई स्थानों पर नई पाइप लाइनें डाली गईं, ओवरहेड टैंक बनाए गए और मरम्मत कार्य भी संपन्न कराए गए।

सीवरेज नेटवर्क का विस्तार

शहर के अलग-अलग हिस्सों में 26,408 मीटर (26.40 किमी) सीवर लाइन बिछाई गई, जिस पर 18.60 लाख का व्यय हुआ।

सीवर नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए 60 एमएम से 100 एमएम व्यास की पाइप लाइनों का इस्तेमाल किया गया, जिससे बड़ी संख्या में घरों को सीवर कनेक्शन से जोड़ा गया।

नगर निगम का पारदर्शिता और निष्ठा पर जोर

नगर आयुक्त ने कहा-इन कार्यों के माध्यम से जलापूर्ति एवं स्वच्छता प्रणाली में आमूल-चूल सुधार हुआ है। नगर निगम का संकल्प है कि प्रत्येक नागरिक को सुचारू पेयजल आपूर्ति और सीवर की व्यवस्थित निकासी उपलब्ध कराई जाए। यह कार्य सतत विकास के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे हैं।इन प्रयासों से न केवल नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है, बल्कि स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में भी कानपुर नगर निगम की पहल को सराहनीय कदम माना जा रहा है।

कुल उपलब्धियां (एक वर्ष में)

पेयजल लाइन बिछाई गई - 41.31 किमी
सीवर लाइन बिछाई गई - 26.40 किमी
कुल व्यय राशि - 40.37 लाख
लाभान्वित क्षेत्र -संपूर्ण नगर के विभिन्न वार्ड एवं बस्तियां

भद्रकाली आश्रम में हनुमान जी का भव्य श्रृंगार और विशाल भंडारा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बुढ़वा मंगल के अवसर पर मां भद्रकाली आश्रम बिरहर भीतरगांव स्थित दक्षिणेश्वर हनुमान जी का भव्य श्रृंगार एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री विष्णु फाउंडेशन द्वारा किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और भक्तिभाव से परिपूर्ण वातावरण बना रहा।फाउंडेशन के अध्यक्ष विष्णु स्वरूप अवस्थी ने बताया कि इस अवसर पर हनुमान जी का श्रृंगार किया गया, सुंदरकांड का पाठ हुआ और विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। फाउंडेशन के उपाध्यक्ष सत्यम अवस्थी ने कहा कि दक्षिणमुखी हनुमान जी भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करने वाले माने जाते हैं।भाद्रपद मास में चल रहे 15 दिवसीय आयोजन के अंतर्गत मंगलवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे एक दिन पूर्व जिला पंचायत सदस्य अतर सिंह द्वारा महोबा से बुलाई गई टीम ने पारंपरिक आल्हा गायन प्रस्तुत किया, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।इस अवसर पर शिवेंद्र फौजी, दुर्गा नारायण, शिवेंद्र मिश्रा, गोलू तिवारी, परमेश तिवारी, उत्कर्ष तिवारी, अश्विनी तिवारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गुरु जी अब पढ़ाएंगे कि करेंगे 'टेट' परीक्षा की तैयारी

» रिज़वान कुरैशी, स्वराज इंडिया

» सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश ने बदल दी बेसिक शिक्षा की तस्वीर

» टीचरों के बीच भविष्य पर मंडरा रहे संकट की हो रही चर्चा

बिल्हौर (कानपुर)। परिषदीय स्कूलों में वर्षों से पढ़ा रहे शिक्षकों के दो वर्षों में टेट परीक्षा पास न कर पाने से जबरन सेवानिवृत्त किए जाने के सुप्रीम कोर्ट के फरमान ने समूचे बेसिक शिक्षा विभाग को सकते में डाल दिया है। अधिकांश टीचरों ने नौकरी बचाने के लिए अपनी अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। ऐसे में इसका सबसे अधिक खामियाजा स्कूलों में पढ़ाई कर नौनिहालों को भुगतना पड़ेगा। परिवार की जिम्मेदारियों से घिरे अधिकांश शिक्षक ड्यूटी के दौरान स्कूलों में ही अपनी पढ़ाई करेंगे। जिससे स्कूलों में पढ़ाई करने आ रहे बच्चों का भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। जिसमें परिषदीय स्कूलों में पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों के लिए दो वर्ष में टेट पास करने की अनिवार्यता कर दी है। साथ ही कहा है कि टेट परीक्षा पास करने में विफल रहने वाले शिक्षकों को जबरन सेवानिवृत्त कर दिया जाए। वहीं केवल पांच वर्ष की सेवा अवधि रखने वाले शिक्षकों को इससे छूट दी गई है।

यह आदेश आते ही बेसिक शिक्षा विभाग में हड़कंप की स्थिति है। वर्षों से स्कूलों में पढ़ा रहे पचास फीसदी से अधिक शिक्षक टेट परीक्षा उत्तीर्ण नहीं हैं। और विभिन्न सरकारी योजनाओं का पालन कराने में मसगूल अधिकांश शिक्षक इस काबिल भी नहीं बचे हैं कि बिना कोचिंग और तैयारी के वह यह परीक्षा पास कर सकें। बढ़िया वेतनमान पाने अधिकांश शिक्षकों के बच्चे बढ़िया संस्थानों में इसी वेतन के सहारे पढ़ाई कर रहे हैं।

नौकरी चली जाने की स्थिति में परिवार के बिखरने का संकट भी खड़ा हो सकता है। विषम परिस्थितियों से बचने और परिवार की जरूरतों और जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए शिक्षक टेट परीक्षा की तैयारी करेगा। और दूर दूर से नौकरी करने स्कूल पहुंचने वाले शिक्षकों के लिए स्कूल में सबसे जरूरी और आसान कार्य खुद की पढ़ाई लगेगा। जिसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ेगा। फिर वह बच्चे चाहे स्कूल के हों या घर में खुद के बच्चे हों।

बड़ी संख्या में शिक्षक कर चुके हैं टेट परीक्षा उत्तीण : नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद वर्ष 2011 से टेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को ही शिक्षक बनाए जाने का फरमान जारी हो गया। इसके अलावा और भी कई मामले न्यायालय तक पहुंचे। जिस पर बड़ी संख्या में सेवारत शिक्षकों ने टेट परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। टेट प्रमाण पत्र की वैद्यता पहले तीन वर्ष थी। जिसे बाद में लाइफ टाइम कर दिया गया। ऐसी स्थिति में शिक्षकों का एक बड़ा वर्ग टेट उत्तीर्ण हो गया। इसके बाद टेट और सुपर टेट परीक्षाएं पास करने के बाद शिक्षकों को तैनाती दी जाने लगी। जिससे शिक्षा विभाग में योग्य शिक्षकों की संख्या बढ़ी। वहीं वर्षों से सरकारी सेवा से संबद्ध शिक्षकों का टेट परीक्षा से जुड़े प्रश्नों से नाता टूट चुका है। ऐसे में यह परीक्षा पास करना उनके लिए टेढ़ी खीर साबित होगा।

शिक्षकों के साथ हुई है साजिश- दुष्यंत सिंह : शिक्षामित्र एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष दुष्यंत सिंह का कहना है कि पुरानी पेंशन और आठवां वेतनमान मांग रहे शिक्षकों को शिक्षक दिवस से पहले मिला सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश किसी साजिश का हिस्सा लगता है। इससे समाज में शिक्षक समुदाय के प्रति गलत संदेश जाएगा।

शिक्षकों को भी मिले कैशलैश चिकित्सा सुविधा : टीएससीटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शिक्षकों और शिक्षा परिवार की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर टीचर्स सेल्फ केयर टीम (टीएससीटी) ने आवाज बुलंद की है। बिल्हौर निवासी अनूप कुमार जिला मीडिया प्रभारी कानपुर ने स्वराज इंडिया संवाददाता से मिलकर यह जानकारी दी। मंगलवार को जिला संयोजक सुनील कुमार वर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा, जो महानिदेशक, स्कूल शिक्षा उत्तर प्रदेश को संबोधित है। ज्ञापन में कहा गया कि जैसे राज्य कर्मचारियों को कैशलैश चिकित्सा सुविधा प्राप्त है, उसी तरह शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी यह सुविधा तत्काल प्रदान की जानी चाहिए। टीम का मानना है कि कार्मिकों को स्वास्थ्य सुविधा से वंचित रखना न्यायसंगत नहीं है। इस अवसर पर टीएससीटी की वार्षिक पत्रिका 'विचार क्रांति' भी बीएसए को भेंट की गई। प्रतिनिधि मंडल में मंडल संयोजक जितेंद्र यादव, जिला सह संयोजिका अंजू गुप्ता, ब्लॉक संयोजक बिधनू विशाल वर्मा और वरिष्ठ सदस्य अनिल द्विवेदी सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

स्कूल से स्मार्ट टीवी और यूपीएस चोरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कोतवाली क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मल्लाहपुर में मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने खिड़की की लोहे की रॉड तोड़कर विद्यालय में प्रवेश किया और कक्षा में रखा बड़ी स्मार्ट टीवी व यूपीएस चुरा ले गए। बुधवार सुबह जब शिक्षक विद्यालय पहुंचे तो टूटी हुई खिड़की देखकर चोरी का पता चला। तत्काल इसकी जानकारी प्रधानाध्यापक देवेंद्र कुमार शर्मा को दी गई। उन्होंने पुलिस तहरीर दी। पुलिस ने विद्यालय का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आसपास के क्षेत्र में पूछताछ की।

भक्तिमय माहौल — श्रद्धालु गंगा नदी तक शोभा यात्रा लेकर पहुंचे और प्रतिमाओं का विसर्जन किया

गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन सम्पन्न, डीजे बंदी पर छिड़ा विवाद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। मंगलवार को क्षेत्र भर में गणेश चतुर्थी महोत्सव का समापन भव्य विसर्जन यात्राओं के साथ हुआ। बिल्हौर कस्बे के अलावा मकनपुर और हिलालपुर में भक्तों ने शोभा यात्रा निकालकर गणपति बप्पा की प्रतिमाओं का जल में विसर्जन किया। नदी तटों पर देर रात तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता रहा। बिल्हौर में श्रद्धालु गंगा नदी तक शोभा यात्रा लेकर पहुंचे और भक्तिमय माहौल में प्रतिमाओं का विसर्जन किया। मकनपुर व हिलालपुर में भी बड़े स्तर पर आयोजन हुए। यात्रा में पूर्व सांसद अंजू बाला समेत कई गणमान्य लोग शामिल रहे। उधर मकनपुर कस्बे में प्रशासन द्वारा डीजे बजाने पर रोक लगाने से विवाद खड़ा हो गया। आयोजकों ने इसका विरोध करते हुए विसर्जन यात्रा रोक दी और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी तथा अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग की। जानकारी मिलते ही विधायक राहुल बच्चा सोनकर मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। विधायक ने कहा कि पीस कमेटी की बैठक में स्थानीय हिंदू समाज को पूरी तरह से शामिल नहीं किया जाता और न ही नियम स्पष्ट किए जाते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि आगे यदि किसी समुदाय के आयोजन में तय सीमा से अधिक साउंड लगाए गए तो वह विरोध करेंगे। दूसरी ओर पुलिस का कहना था कि समिति को पहले ही डीजे और दो से अधिक लाउडस्पीकर न बजाने की शर्त बता दी गई थी। इसी मुद्दे पर विधायक और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस भी हुई। आखिरकार अधिकारियों की मौजूदगी में शोभायात्रा आगे बढ़ी और देर शाम तक शांतिपूर्वक विसर्जन सम्पन्न कराया गया।

सम्पादकीय

घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय समर्थन से मिली मजबूती

दशकों से पाक पोषित आतंकवादियों के हमले झेल रहे भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में सधे-सटीक मिसाइल हमले करके आतंक की पाठशालाएं ध्वस्त कर दीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप-रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत-पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया। दरअसल, चीन व तुर्की को छोड़कर दुनिया के तमाम बड़े मुल्क आतंक से प्रभावित भारत के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वहीं सऊदी अरब के उपविदेश मंत्री अदेल अलीजुबैर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। जिन्हें पहलगाम हमले के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया। भारत ने आतंक को बढ़ावा देना बंद न करने तक बातचीत से इनकार किया।

मोदी सरकार, सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों तथा सेना के तीनों अंगों ने बेहतर तालमेल के साथ ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद पाक द्वारा किए हमलों को विफल बनाने के लिये पर्याप्त होमवर्क किया। लगातार बैठकों व संवाद के जरिये इस चुनौती के मुकाबले की रणनीति को अंजाम दिया। जिससे देश के जनमानस का भरोसा बढ़ा कि देश सही हाथों में है। अब तक भारत पाक पोषित आतंकवादी हमलों के बाद सिर्फ कूटनीतिक स्तर पर कार्यवाही की कोशिश करता रहा है। ऐसी स्थिति मुंबई हमले, संसद पर हुए हमले तथा पठानकोट एयर बेस पर हुए हमलों के बाद सामने आई। भारत सबूतों के आधार पर वैश्विक संगठनों से कार्रवाई की मांग करता रहा है। लेकिन पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना नये भारत की बदली रणनीति का पर्याय ही है। पहले पाक के परमाणु हथियार का डर दिखाकर भारत को कार्रवाई करने से रोका जाता रहा है। कालांतर में 2016 में उरी में 19 सैनिकों के मारे जाने पर नियंत्रण रेखा के पार व 2019 में पुलवामा विस्फोट के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की गई। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद सीधी कार्रवाई करके साफ संदेश दिया कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब आतंकवाद को सींचने वाले पाक पर भारत सीधी कार्रवाई करेगा। भारत ने पहले पूरी दुनिया को पुलवामा हमले की साजिश के सबूत दिए ।

मुस्लिम देशों में अलग-थलग पड़ता पाक

डॉ. जगदीप सिंह

इस समय जो संघर्ष चल रहा है, उसमें पाकिस्तान जिस तरह से अलग-थलग पड़ता जा रहा है, वह आने वाले दिनों में उसके लिए कुछ दूसरी तरह की मुश्किलें खड़ी करेगा, जिसकी शुरुआत उसकी घरेलू राजनीति से ही होगी!चाड के राजनयिक हिसेन ब्राहिम ताहा, 57 देशों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 12वें महासचिव हैं। 17 नवम्बर, 2021 से वो इस पद को सम्हाल रहे हैं। ताहा, तुर्किये के राष्ट्रपति रिज़प तैय्यप एर्दोआन के 'यस मैन' माने जाते हैं। ताहा की आत्मा, तुर्की और एर्दोआन में बसी रहती है। वर्ष 1969 में अपनी स्थापना के बाद से तुर्की, इस्लामिक सहयोग संगठन में एक प्रमुख खिलाड़ी की भूमिका में रहा है। ओआईसी के कई सारे सदस्य मानते हैं, कि तुर्की इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। न्यूयार्क से जारी अपने बयान में, ओआईसी ने दोनों पक्षों के बीच मतभेदों को 'अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से' हल करने का भी आह्वान किया। लेकिन, भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा, कि यह दो देशों के बीच का मामला है, इसमें आपकी नसीहत की ज़रूरत नहीं।

पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रखकर एर्दोआन जो दाव चल रहे हैं, उससे पूरी दुनिया वाकिफ है। विगत 56 वर्षों से शह-मात का यह खेल चल रहा है। वर्ष 1969 में मोरक्को के किंग हसन द्वितीय ने रबात में 1969 के शिखर सम्मेलन के लिए भारत सरकार को आमंत्रित किया। लेकिन, पाकिस्तान के तत्कालीन शासक जनरल याह्या खान द्वारा, बैठक से बाहर निकलने की धमकी दिए जाने के बाद, शाह हसन द्वितीय ने भारतीय प्रतिनिधियों से बैठक में शामिल न होने का अनुरोध किया।पाकिस्तान, तेहरान में ओआईसी 1994 सम्मेलन के दौरान, सदस्य देशों को 'कश्मीर पर ओआईसी संपर्क समूह' बनाने के लिए राजी करने में सफल रहा। इस्लामी सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की परिषद का 46वां सत्र 1 और 2 मार्च, 2019 को अबू धाबी में आयोजित किया गया था। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को संयुक्त अरब अमीरात के उनके समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान द्वारा उद्घाटन समारोह को संबोधित करने के लिए 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में आमंत्रित किया गया था। तब पाकिस्तान को शदीद मिर्ची लगी।

पाकिस्तान ने भारत द्वारा अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का हवाला देते हुए उसे शिखर सम्मेलन से निष्कासित करने की मांग की। ओआईसी ने पाकिस्तान के अनुरोध पर कश्मीर संपर्क समूह की आपातकालीन बैठक बुलाई, यह बैठक 26 फरवरी, 2019 को हुई। हालांकि, ओआईसी ने भारत द्वारा पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के उल्लंघन की निंदा की, लेकिन, यूएई ने भारत को निमंत्रण वापस करने से इनकार कर दिया। सुषमा स्वराज उस मंच पर गयी, और अपने ओजपूर्ण भाषण से पाकिस्तान को एक्सपोज़ किया। सभी सदस्य इस बात पर सहमत हुए, कि आतंकवाद को बढ़ाया जाना दक्षिण एशिया के लिए खतरनाक है। ओआईसी के मंच पर यह पाकिस्तान की पहली हार थी।

इमरान ख़ान के समय सऊदी अरब से भी ठन गई, जो ओआईसी का दबंग देश है। जेद्दा में ओआईसी का मुख्यालय सऊदी खर्चे पर ही चल रहा है। अन्य कई पूर्वाग्रहों के अलावा पाकिस्तान, सऊदी से इस बात पर भी खार खाये था, कि कश्मीर मुद्दे पर वो खुलकर उसका समर्थन नहीं कर रहा। शाह महमूद कुरैशी सऊदी अरब से तपे हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि क्वालालम्पुर सम्मेलन में जाने से हमें रियाद ने रोका था। फाइनेंशियल टाइम्स अखबार के अनुसार, कुरैशी की टिप्पणियों से सऊदी अरब के अधिकारी भड़क गए, जो ओआईसी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उसने 3?2 बिलियन डॉलर की तेल ऋण सुविधा को रोक दिया, और पाकिस्तान से 3 बिलियन डॉलर के ऋण का कुछ हिस्सा चुकाने की मांग की। सिर्फ इतने भर से पाकिस्तान की हवा निकल गई। उन दिनों इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। शाह महमूद कुरैशी ने एक ब्रॉडकास्टर के ज़रिये बयान दिया, 'मैं एक बार फिर सम्मानपूर्वक ओआईसी से कह रहा हूं कि विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक हमारी अपेक्षा है कि कश्मीर पर बैठक बुलाएँ। हमारी अपनी संवेदनशीलताएं हैं। खाड़ी देशों को यह समझना चाहिए।'

वर्ष 1994 में कश्मीर पर जो ओआईसी संपर्क समूह बनाया गया था, उसमें सऊदी अरब, तुर्की, पाकिस्तान, अजरबैजान और नाइजर शामिल रहे हैं। बाद में सऊदी अरब, नाइज़र और अजरबैजान इस मुद्दे पर मौन रह गए। संपर्क समूह, ओआईसी सदस्यों के बीच बढ़ते सहयोग, कश्मीरी लोगों का तथाकथित स्वशासन और स्वायत्तता को समर्थन करने पर जोर देता था। पाकिस्तानी प्रशासन की हमेशा से यह हठधर्मिता रही है, कि इस मामले को संयुक्त राष्ट्र के रेज़ोल्यूशन के अनुसार कश्मीर का भविष्य तय किया जाना चाहिए। दरअसल, 1964, 1972, 1999 और 14 से 16 जुलाई, 2001 तक आहूत आगरा शिखर सम्मेलन में भी कश्मीर समस्या का समाधान पकिस्तान ने होने नहीं दिया।

उम्दा रक्षा तकनीक से सधा 'ऑपरेशन सिंदूर'

चर्चा में चेहरा

अरुण नैथानी

भारतीय वायुसेना ने राफेल विमानों से स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर सटीक-निर्देशित बम दागे। स्कैल्प मिसाइलें स्टील्थ तकनीक से लैस थीं, जो रडार से बचकर कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं और 450 किलोग्राम वॉरहेड के साथ बंकरों को नष्ट करने में सक्षम हैं। हैमर बमों में जीपीएस और लेजर गाइडेंस सिस्टम था, जो रात और प्रतिकूल मौसम में भी सटीक हमले सुनिश्चित करता है।

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बीते 6-7 मई की रात को शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सटीक सैन्य अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था। यह अभियान 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य आतंकी संगठनों के बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करना और भारत में भविष्य के हमलों को रोकना था।योजना की शुरुआत पहलगाम हमले के तुरंत बाद हुई, जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को खुफिया एजेंसियों और राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। लक्ष्यों की पहचान के लिए सैटेलाइट इमेजरी, मानव खुफिया जानकारी और इंटरसेप्टेड संचार का उपयोग किया गया। ऑपरेशन को गोपनीय और सटीक रखने के लिए केवल शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सरकारी नेतृत्व को इसकी जानकारी थी। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले आतंकी ठिकानों तक सीमित रहें।ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना, नौसेना, और वायुसेना ने संयुक्त रूप से काम किया, जो 54 वर्षों में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर

हुआ। भारतीय वायुसेना ने राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों को तैनात किया, जो सटीक हमलों के लिए महत्वपूर्ण थे। थल सेना ने एम777 हल्की होवित्जर तोपों के साथ सहायता प्रदान की, जबकि नौसेना ने समुद्री निगरानी और समर्थन में योगदान दिया। विशेष बलों ने ऑपरेशन से पहले लक्ष्यों की टोह ली और हमलों के बाद नुकसान का आकलन किया। ऑपरेशन के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी साझा की गई। जिसमें बताया गया कि नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। खुफिया एजेंसियों, विशेष रूप से रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), ने लक्ष्यों का चयन किया, जैसे कि बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभान अल्लाह और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप।

ऑपरेशन में अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों का उपयोग किया गया। भारतीय वायुसेना ने राफेल विमानों से स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर सटीक-निर्देशित बम दागे। स्कैल्प मिसाइलें स्टील्थ तकनीक से लैस थीं, जो रडार से बचकर कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं और 450 किलोग्राम वॉरहेड के साथ बंकरों को नष्ट करने में सक्षम हैं। हैमर बमों में जीपीएस और लेजर गाइडेंस सिस्टम था, जो रात और प्रतिकूल मौसम में भी सटीक हमले सुनिश्चित करता है।मिराज 2000 जेट्स ने स्पाइस 2000 और पोपआई बमों का उपयोग किया, जबकि एम777 होवित्जर तोपों से एक्सकैलिबर 155 मिमी सटीक-निर्देशित गोले दागे गए। आत्मघाती ड्रोन, जैसे स्काईस्ट्राइकर लॉइटरिंग म्युनिशन, ने छोटे लेकिन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को नष्ट किया। मेटियोर मिसाइलों ने हवाई सुरक्षा सुनिश्चित की। इन हथियारों ने भारत की सैन्य तकनीक में उन्नति को प्रदर्शित किया, जो 2019 के बालाकोट हमले की तुलना में अधिक सटीक और प्रभावी थी। ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक ने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेरॉन ड्रोन ने रीयल-टाइम सर्विलांस और माइक्रो-म्युनिशन हमलों में योगदान दिया। स्काईस्ट्राइकर जैसे कामिकेज ड्रोन ने लक्ष्यों पर लंबे समय तक मंडराकर सटीक हमले किए। सैटेलाइट इमेजरी ने लक्ष्यों की सटीक स्थिति और नुकसान के आकलन में मदद की।थर्मल इमेजिंग और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड सिस्टम ने रात के ऑपरेशन को संभव बनाया। ड्रोन ने 100 किलोमीटर की गहराई तक प्रवेश किया, जिससे पाकिस्तानी रडार को चकमा देने में मदद मिली। सैटेलाइट डेटा ने हमलों के बाद मरकज सुभान अल्लाह जैसे ठिकानों के पूर्ण विनाश की पुष्टि की। ऑपरेशन की कमान एनएसए अजीत डोभाल ने संभाली, जो तीनों सेनाओं के साथ समन्वय में थे।

बजरंग चौराहा गणेश महोत्सव में पहले नहीं होता था आयोजकों का महिमा मंडन

शुरुआत में सिर्फ समिति का नाम, चेहरों का महिमा मंडन नहीं

- » 5 साल बाद शोहरत के लिए खींचतान, कुछ सदस्य हटे।
- » 14 साल में तीन समितियां बनीं।
- » 2018 से स्वागत द्वार मुख्य मार्ग पर सजने लगे।
- » 2019 में गणेश जी से ज्यादा आयोजकों के चेहरे चमके।

वर्ष 2014 में पंडाल पर सिर्फ एक संस्था का नाम- वर्ष 2017 में स्वागत बैनर पर दो कमेटियों के नाम

वर्ष 2017

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर नगर के जिस गणेश महोत्सव के स्वागत द्वार पर दो दिन तक गणेश जी की मस्तक विहीन फोटो नजर आई, उस गणेश महोत्सव के शुरुआती वर्षों में कमेटी के लोगों के चेहरे को चमकाने वाली कवायद पर रोक थी। संस्थापक धार्मिक आयोजन के माध्यम से कमेटी के लोगों के प्रचार को गलत मानते थे। लोगों का तो यहां तक कहना है जिस युवक ने अखिलेश सरकार के कार्यकाल के पहले वर्ष में इस आयोजन का श्री गणेश कराया, लोग उसका नाम तो जानते थे लेकिन आसपास के लोगों को छोड़कर कोई उस व्यक्ति को नहीं पहचानता था। एक व्यक्ति ने तो यहां तक दावा किया कि पहले वर्ष तो स्वागत बैनर में केवल कमेटी का नाम और कुछ मोबाइल नंबर ही लिखे गए थे।

श्री गणेश महोत्सव की रूपरेखा कुछ ऐसी थी कि पहले वर्ष से ही इस कार्यक्रम में यशोदा नगर ही नहीं गोपाल नगर, देवकी नगर, गंगापुर कॉलोनी तक के भक्त आने लगे। दूसरे वर्ष पुलिस के निर्देश पर स्वागत बैनर में कमेटी के पदाधिकारियों के नाम और मोबाइल नंबर लिखना शुरू किया गया। मुख्य संस्थापकों ने पहले 5 वर्षों में कभी भी आयोजन के माध्यम से व्यक्तिगत प्रचार व्यवस्था को अंगीकार नहीं किया।

5 वर्ष बाद हटे कुछ सदस्य

पहले 5 वर्ष आयोजन में नजदीक से जुड़े एक व्यक्ति ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि महोत्सव में होने वाली गणेश जी की पूजा अर्चना दिव्य महा आरती और 7 दिनों में होने वाले भव्य धार्मिक कार्यक्रमों और अनुशासन के चलते कार्यक्रम की लोकप्रियता बहुत बढ़ गई थी। महोत्सव ने एक बड़े मेले का रूप ले लिया था। लेकिन इतने बड़े आयोजन से किसी को भी नाम और शोहरत नहीं मिल रही थी जिसको लेकर कमेटी में खींच तान शुरू हुई। अन्तत: कई सदस्यों ने कार्यक्रम से स्वयं को अलग कर लिया।

14 वर्ष के आयोजन में तीन कमेटी

इसी व्यक्ति ने दावा किया कि महोत्सव के 14 वर्ष पूरे होते-होते इस आयोजन से तीन कमेटियों का नाम जुड़ चुका है। बात इसलिए सही नजर आती है कि वर्ष 2014 के स्वागत बैनर में जहां आयोजक के रूप में एक ही समिति का नाम है। वहीं वर्ष 2017 के स्वागत बैनर में आयोजक के रूप में दो समितियां नजर आ रही हैं। वर्ष 2019 में बने स्वागत द्वार पर आयोजन समिति के रूप में बजरंग गणेश महोत्सव समिति का नाम नजर आ रहा है।

वर्ष 2018 से स्वागत द्वार पर चमके चेहरे

स्थानीय लोगों का कहना है पहले पंडाल पर ही स्वागत बैनर लगता था। जिसकी तस्दीक स्वराज इंडिया को प्राप्त कार्यक्रम से जुड़ी पुरानी फोटो में भी होती है। आयोजकों का मानना था मुख्य मार्ग ज्यादा चौड़ा नहीं है, इस पर स्वागत द्वार बनाने से रास्ता और संकरा हो जाएगा और महोत्सव में भीड़ के अतिरिक्त दबाव के चलते पीक आवर्स में यातायात बहुत कठिन हो जाएगा। लेकिन वर्ष 2018 से आयोजन समिति ने इस नियम को बदला और मुख्य मार्ग पर स्वागत द्वार बनाया जाने लगा। हालांकि पहले वर्ष दोनों पिलर्स पर विज्ञापन थे, जिसमें से एक पिलर पर आधे हिस्से में एक ऑफसेट प्रेस के विज्ञापन के साथ वर्तमान अध्यक्ष की तस्वीर लगी थी। वर्ष 2018 की कोई ऐसी फोटो स्वराज इंडिया को नहीं मिली जिसमें स्वागत द्वार पर स्पॉन्सर के अतिरिक्त कमेटी के लोगों की फोटो लगी हो। वर्ष 2019 के स्वागत द्वार में जहां एक ओर दोनों पिलर्स पर स्पॉन्सर की फोटो थी जिसमें 2018 की तरह ही एक ऑफसेट प्रेस के विज्ञापन में वर्तमान अध्यक्ष की तस्वीर लगी थी। वहीं स्वागत द्वार के दूसरी ओर ऊपर के हिस्से में गणेश जी की तस्वीर न लगाकर कमेटी के लोगों की तस्वीरें नाम के साथ लगाई गई थीं।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पिता पुत्र की मौके पर मौत

» आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पिता पुत्र की मौके पर मौत

» पिता के साथ एकलौती संतान ने तोड़ा दम

» परिवार में फैला मातम का माहौल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में मंगलवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। गांव के रहने वाले ओमप्रकाश अपने बेटे अंश के साथ बाइक से खेत की फसल देखने जा रहे थे। सुबह करीब 10 बजे अचानक आसमान में गरज-चमक के साथ बिजली गिरी और दोनों उसकी चपेट में आ गए। जोरदार धमाके की आवाज से आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए।

घटना के बाद आसपास के ग्रामीण दौड़ पड़े। राहगीरों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिजन आनन-फानन में पहुंचे और दोनों को गंभीर हालत में लेकर हैलट अस्पताल गए। डॉक्टरों ने जांच के बाद ओमप्रकाश और उनके बेटे अंश को मृत घोषित कर दिया। इस खबर के साथ ही परिवार में मातम छा गया। घर पर चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।घटना की सूचना फैलते ही पूरे रघुनाथपुर गांव में मातम पसर गया। लोग घर-घर से निकलकर शोक संतप्त परिवार के पास पहुंचे और सांत्वना देने की कोशिश करने लगे।

ग्रामीणों ने बताया कि खेत में काम करने वाले किसान अक्सर बारिश और बिजली गिरने की चपेट में आ जाते हैं।मौसम विभाग ने हाल ही में चेतावनी जारी की थी कि गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि बरसात के दौरान खेतों में या खुले मैदान में जाने से बचें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें।

कन्नौज के आफाक खान बने मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव

स्वराज इंडिया संवाददाता

कन्नौज ।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से जनपद कन्नौज के युवा नेता आफाक खान को मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया है। इस संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उनका नियुक्ति पत्र जारी किया गया।आफाक खान की इस नियुक्ति से कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। स्थानीय स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों और युवाओं ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।माना जा रहा है कि आफाक खान की सक्रियता और संगठन में लगातार योगदान को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।

रसूलाबाद: नहर में डूबे किसान का शव तीसरे दिन बरामद

» चाट निवादा झाल पर पुलिस व ग्रामीणों की मौजूदगी में मिला शव

खोजबीन में जुटी SDRF टीम, परिजनों में मचा कोहराम

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के ढकपुरवा गांव के किसान गोविंद सिंह (78) का शव डूबने के तीसरे दिन निचली रामगंगा नहर से बरामद हुआ। सोमवार की शाम खेतों में खाद डालकर लौटते समय पुलिया पार करते वक्त उनका पैर फिसल गया था, जिससे वे नहर में गिर पड़े। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सूचना पर पुलिस और SDRF टीम ने लगातार दो दिन तक गोताखोरों के साथ तलाश की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। तीसरे दिन बुधवार को चाट निवादा झाल के पास शव फंसा मिला। शव देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मकाऊ में सम्मानित हुए कानपुर देहात के रामेंद्र प्रताप सिंह उर्फ 'चिम्मू'

» सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी को दिलाया प्रथम स्थान

» अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिला बड़ा सम्मान

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर तहसील के भदौरिया ट्रैक्टर एजेंसी संचालक रामेंद्र प्रताप सिंह उर्फ 'चिम्मू' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि मिली है। किसानों के भरोसे को मजबूत बनाने और बेहतर सेवाएं देने के लिए उन्हें हांगकांग के मकाऊ में आयोजित इंटरनेशनल ट्रैक्टर ऑल इंडिया चैनल पार्टनर मीटिंग में पुरस्कृत किया गया। रामेंद्र प्रताप सिंह ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 42त्न मार्केट शेयर हासिल कर उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। उनका सौम्य स्वभाव और किसानों के बीच लगातार जुड़ाव ने सोनालिका ट्रैक्टर को क्षेत्र में सबसे भरोसेमंद ब्रांड बना दिया है।इस कार्यक्रम में देशभर से 600 चैनल पार्टनर पहुंचे। कार्यक्रम में कंपनी के कंट्री हेड विवेक गोयल, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट पुष्पेंद्र, जोनल हेड संदीप कथूरिया, एरिया मैनेजर अनुराग दुबे, आदरणीय सुखदेव, अखिलेश शाह, सौरभ गुप्ता और आरके मिश्रा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने रामेंद्र प्रताप सिंह की उपलब्धि की सराहना की और उनके प्रयासों को किसानों के हित में महत्वपूर्ण बताया।रामेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसानों का भरोसा ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और आने वाले समय में भी वह आधुनिक कृषि यंत्रों और गोष्ठियों के माध्यम से किसानों की सेवा करते रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

स्वराज इंडिया की मुहिम से हड़कंप

डीजल तस्करों पर टूटा पुलिस का कहर, पांच हुए गिरफ्तार

» पुलिस की कार्रवाई पर अफसरों ने जताई खुशी, टीम की हुई सराहना

» हाईवे को बनाया था ठिकाना, पाइप और पंप से टैंकों से उड़ाते थे तेल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। स्वराज इंडिया लगातार डीजल तस्करों और तेल चोरी करने वाले गिरोहों की करतूतों का खुलासा कर रहा है। अपराध जगत के इन धंधेबाज़ों पर अब पुलिस का शिकंजा कसने लगा है। हमारी खबर ने एक बार फिर पुलिस को हरकत में ला दिया। शुक्रवार देर रात कानपुर देहात पुलिस ने अकबरपुर और रूरा पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर एक बड़े गैंग का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से पांच बदमाशों को दबोचा, जिनके पास से 215 लीटर चोरी का डीजल, एक डीसीएम, पंप, पाइप और पेचकस जैसे उपकरण बरामद हुए।

गिरफ्तार बदमाशों ने पूछताछ में खुलासा किया कि वे लंबे समय से हाईवे पर खड़े ट्रकों को निशाना बना रहे थे। रात का अंधेरा होते ही ये गैंग सक्रिय हो जाता और ट्रकों के टैंक तोड़कर पाइप व पंप के जरिए सारा डीजल निकाल लेता। चोरी का तेल बाद में औने-पौने दामों में बेचकर गिरोह मोटा मुनाफा कमाता था। पुलिस ने बताया कि यह गैंग पेशेवर तरीके से काम करता था और चोरी को अंजाम देने के लिए बाकायदा उपकरण साथ रखता था।पुलिस ने जिन पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है उनकी पहचान शाहजाद, मनीष, मुन्नवर, सुभान और इजराइल के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि सभी पर चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट के कई गंभीर मुकदमे पहले से दर्ज हैं। यानी यह गिरोह डीजल चोरी के साथ-साथ अन्य आपराधिक गतिविधियों में भी लिप्त रहा है। पुलिस ने इन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है।इस कार्रवाई को लेकर पुलिस महानिरीक्षक आलोक सिंह और हरीशचंद्र ने कानपुर देहात की एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडे और उनकी टीम की जमकर सराहना की। अफसरों ने साफ कहा कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और जिले में अपराध पर सख्ती से नकेल कसी जाएगी।स्वराज इंडिया की लगातार रिपोर्टिंग ने डीजल तस्करों का नेटवर्क उजागर किया और पुलिस को सक्रिय किया। यह कार्रवाई इस बात का सबूत है कि पत्रकारिता की सच्ची ताकत अपराधियों पर कहर और जनता के लिए राहत साबित हो रही है। स्वराज इंडिया आने वाले दिनों में भी डीजल तस्करी, अवैध कारोबार और संगठित अपराधों पर इसी तरह अपनी मुहिम जारी रखेगा।

कानपुर देहात में गूंजा दंगल- महिला पहलवानों ने भी दिखाया दमखम

» स्व. पच्चू भठीया की स्मृति में हुआ आयोजन, हजारों दर्शकों ने लिया आनंद

स्थानीय व दूर-दराज के पहलवानों ने आजमाई ताकत, विजेताओं को मिला सम्मान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकास खंड के सनाया सालवाहन गांव में स्व. पच्चू भठीया की स्मृति में हर साल की तरह इस बार भी विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया।

भठीया के पुत्र और ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित इस दंगल में इस बार महिला पहलवानों की रोमांचक भिड़ंत भी देखने को मिली। हजारों की संख्या में ग्रामीण और दर्शक आयोजन में पहुंचे और पहलवानों के दमखम पर तालियां बजाईं।

दंगल की शुरुआत बच्चों की कुश्ती से हुई और इसके बाद उम्रवार बड़े पहलवानों के बीच मुकाबले कराए गए। इसमें स्थानीय और दूर-दराज के क्षेत्रों से आए पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। बराबरी पर छूटी कुश्तियों में दोनों पहलवानों को बराबर इनाम दिया गया। मुकाबलों में ?11,000 से लेकर ?21,000 तक के इनाम रखे गए थे। विजेता पहलवानों को नगद राशि और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बीडीसी सदस्य सल्लू पहलवान, रवि सिंह, दीपू सिंह, नेत्रपाल सिंह परिहार, बलराम सिंह, शंकर सिंह पत्रकार मलासा समेत कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। महिला पहलवानों की जोरदार कुश्ती दंगल का खास आकर्षण रही।

हाईकोर्ट ने पूछा, 11 लाख मनरेगा घोटाले का दोषी वीडीओ कैसे बहाल ?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चित्रकूट डीएम और मुख्य सचिव को भेजा नोटिस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। मनरेगा में हुए करोड़ों के गबन और धांधली पर सवाल खड़े होते रहे हैं, लेकिन चित्रकूट जिले का मामला यह बताने के लिए काफी है कि भ्रष्टाचार में फंसे अधिकारियों को किस तरह संरक्षण मिलता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चित्रकूट के जिलाधिकारी शिवशरण अप्पा और उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है।

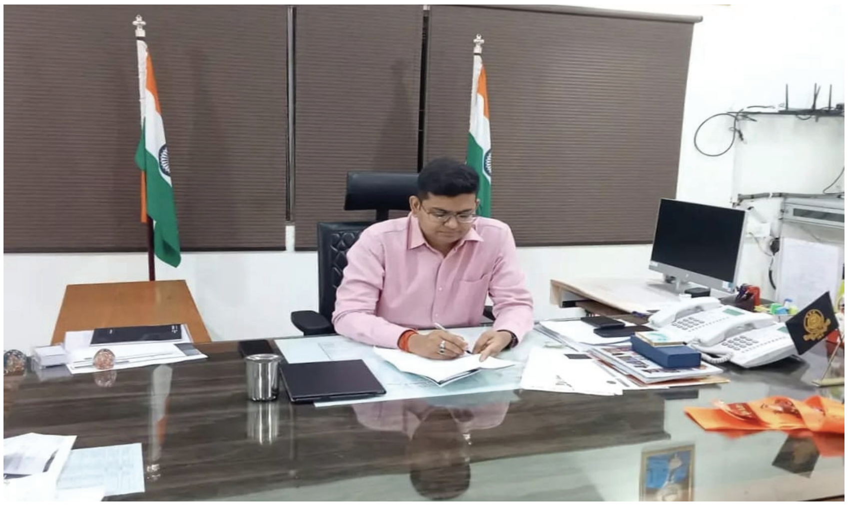

रामनगर विकासखंड में तैनात ग्राम विकास अधिकारी आलोक सिंह पर मनरेगा योजना में 11 लाख रुपये के घोटाले का गंभीर आरोप लगा था। खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) की जांच में उन्हें दोषी पाया गया और तत्काल निलंबन के बाद स्थानांतरण कर पहाड़ी विकासखंड भेज दिया गया।

लेकिन गड़बड़ी यहीं खत्म नहीं हुई। गाइडलाइन के मुताबिक ऐसी स्थिति में एफआईआर दर्ज कराना और वसूली की कार्रवाई जरूरी थी, मगर जिला प्रशासन ने न तो मुकदमा दर्ज कराया और न ही किसी तरह की कानूनी कार्यवाही की। हैरानी की बात यह है कि कुछ ही महीनों बाद आलोक सिंह को बहाल कर फिर से उसी रामनगर विकासखंड में तैनात कर दिया गया, जहाँ से उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में हटाया गया था।

ग्रामीणों की शिकायत अनसुनी

ग्रामीणों का आरोप है कि मनरेगा के तहत फर्जी बिल, मजदूरों की हाजिरी में हेराफेरी और भुगतान में अनियमितताओं से लाखों रुपये का गबन किया गया। जब लोगों ने इस मामले की शिकायत जिलाधिकारी से की और साक्ष्य भी सौंपे, तब भी अधिकारियों ने कार्रवाई से परहेज किया। पीड़ित ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार प्रार्थना पत्र देने और सबूत उपलब्ध कराने के बावजूद न तो दोषी बीडीओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई और न ही उनकी तैनाती रोकी गई। अंततः शिकायतकर्ताओं को न्याय की उम्मीद में इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

हाईकोर्ट का सख्त रुख

हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया इस पूरे मामले को गंभीर मानते हुए चित्रकूट के जिलाधिकारी और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पूछा है कि जब जांच में दोष सिद्ध हो चुका था तो एफआईआर और आगे की कार्रवाई क्यों नहीं की गई और नियमों के खिलाफ जाकर आरोपी अधिकारी को उसी पद पर क्यों बहाल कर दिया गया।

बड़ा सवाल – भ्रष्टाचार पर पर्दादारी क्यों?

यह प्रकरण कई सवाल खड़े करता है—

आखिर एक दोषी पाए गए अधिकारी को दोबारा उसी जगह क्यों तैनात किया गया? नियमों के विपरीत एफआईआर दर्ज करने से प्रशासन ने परहेज क्यों किया? क्या जिले के आला अधिकारियों ने जानबूझकर भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की?

गांवों में गुस्सा है कि जिस अधिकारी पर सार्वजनिक धन के गबन का आरोप है, वही फिर से विकास योजनाओं की जिम्मेदारी संभाल रहा है।

यह न केवल नैतिकता पर सवाल है, बल्कि सरकारी मशीनरी की विश्वसनीयता को भी संदेहास्पद बनाता है। हाईकोर्ट की सख्ती से ग्रामीणों को उम्मीद जगी है कि अब इस मामले में ठोस कार्रवाई होगी और दोषी को सज़ा मिलेगी।

हनुमंत वाटिका मंदिर पर गिरी आसमानी बिजली, गुंबद क्षतिग्रस्त

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रायबरेली।शहर के आधारशिला लॉ कॉलेज के पास स्थित हनुमंत वाटिका मंदिर पर सोमवार रात आसमानी बिजली गिरने से मंदिर का गुंबद क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के दौरान जोरदार आवाज के साथ गुंबद का एक हिस्सा टूटकर गिर पड़ा, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह एक बड़ी घटना थी, लेकिन चमत्कारिक रूप से मंदिर के अंदर स्थापित भगवान हनुमान जी की मूर्ति पूरी तरह सुरक्षित रही। श्रद्धालुओं ने इसे हनुमान जी की कृपा माना और राहत की सांस ली।

घटना की जानकारी मिलते ही सुबह से ही श्रद्धालुओं और आस-पड़ोस के लोगों की भीड़ मंदिर में जुट गई। सभी ने हनुमान जी का आशीर्वाद पाकर कृतज्ञता व्यक्त की।फिलहाल मंदिर समिति ने क्षति का आकलन शुरू कर दिया है और गुंबद की मरम्मत कराने की तैयारी की जा रही है।

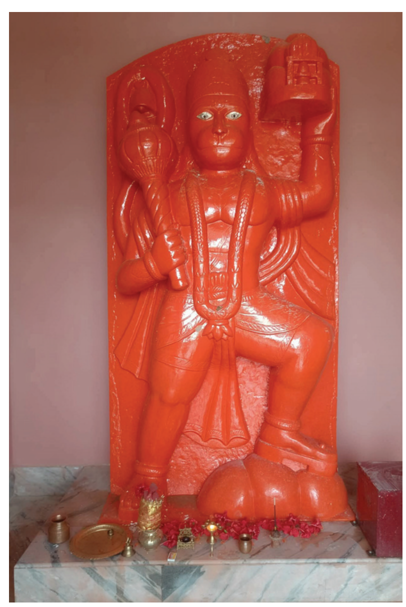

अयोध्या में चारपाई बनी एंबुलेंस

» मेडिकल कॉलेज प्रशासन की नाकामी का जीवंत सबूत!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज, दर्शननगर का एक हैरान करने वाला वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल है। इसमें एक गंभीर रूप से बीमार वृद्ध को उसके परिजन चारपाई पर डालकर अस्पताल के गलियारों में दौड़ा रहे हैं। यह दृश्य केवल मरीज की पीड़ा नहीं, बल्कि मेडिकल प्रशासन की लापरवाही और खोखले दावों को उजागर करता है। स्वराज इंडिया इस वीडियो की पुष्टि नही करता।

वीडियो में परिजनों की बेबसी साफ झलक रही है। जब शासन करोड़ों खर्च कर एंबुलेंस और आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने का दावा कर रहा है, तब वास्तविकता यह है कि लोग अब भी खटिया पर मरीज ढोने को मजबूर हैं। यह अस्पताल की व्यवस्थाओं पर बड़ा सवाल है – आखिर स्ट्रेचर और एंबुलेंस कहां थे? परिजन सीधे इमरजेंसी पहुंचे। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों और स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत बेड उपलब्ध कराया और उपचार शुरू किया। लेकिन सवाल जस का तस है कि अस्पताल गेट से इमरजेंसी तक स्ट्रेचर क्यों नहीं मिला?मेडिकल कॉलेज प्रशासन का दावा है कि इमरजेंसी गेट पर स्ट्रेचर उपलब्ध रहते हैं और जल्द ही 10 और स्ट्रेचर आने वाले हैं। प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा ने कहा कि मरीजों को खटिया पर लाने की जानकारी उन्हें नहीं है। मगर वायरल वीडियो में जो दृश्य सामने आए हैं, उन्होंने इन दावों की पोल खोल दी है। अस्पताल की मूलभूत व्यवस्थाओं पर सवाल उठ रहे हैं।

जनता पूछ रही है -

अगर स्ट्रेचर थे तो मरीज चारपाई पर क्यों आया?
सुरक्षा और हेल्प डेस्क पर तैनात कर्मी कहां थे?
इमरजेंसी तक पहुंचने से पहले ही ऐसी लापरवाही क्यों?
यह मामला केवल एक मरीज का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की जड़ता और संवेदनहीनता का प्रमाण है।

चारपाई पर लाए गए मरीज का वीडियो मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था पर सीधा सवाल है। स्ट्रेचर और एंबुलेंस की उपलब्धता का दावा करने वाले अधिकारी बताएं कि खटिया एंबुलेंस क्यों बनी? क्या मरीजों की जान अब केवल किस्मत के भरोसे है?

सोहावल रेलवे ट्रैक- आत्महत्या या सीरियल क्राइम का अड्डा?

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रेलवे ट्रैक पर एक के बाद एक लाशें बरामद होना अब सिर्फ हादसा या आत्महत्या का मामला नहीं रहा, बल्कि संगठित अपराध की आशंका को जन्म दे रहा है। सोहावल स्टेशन क्रॉसिंग का इलाका पिछले पांच महीनों में चौथी लाश मिलने से 'डेथ जोन' के रूप में पहचान बनाने लगा है।

युवती सौम्या शुक्ला का शव भी उसी तरह मिला जैसे पिछली घटनाओं में रेलवे ट्रैक के आसपास, क्षत-विक्षत अवस्था में।

यही पैटर्न सवाल खड़ा करता है-क्या यह महज संयोग है कि मौतें एक ही इलाके में हो रही हैं? या फिर कोई अदृश्य हाथ है जो घटनाओं को आत्महत्या का रूप देने में माहिर है?

पुलिस की जांच और जनता की शंका

पुलिस हर मामले में पोस्टमार्टम करवा रही है और ज्यादातर को आत्महत्या की थ्योरी में ढाल देती है। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां मौतें ज्यादा, गवाह कम और कार्रवाई शून्य है।

यही वजह है कि लोगों में यह धारणा गहराने लगी है कि यह जगह अपराधियों के लिए आसान ठिकाना बन चुकी है।

रेलवे की सुरक्षा व्यवस्थाएं कागजों तक सीमित हैं। न सीसीटीवी, न गश्त, न बैरिकेडिंग। ऐसे में क्रॉसिंग अपराधियों के लिए मुफीद जगह बनती जा रही है।

स्वराज इंडिया की पड़ताल

-पांच महीने में चार लाशें, क्या यह आकस्मिक मौतें हैं या किसी गिरोह की करतूत?

-हर लाश एक जैसे हालात में क्यों मिल रही है?

-क्या स्थानीय स्तर पर पुलिस और रेलवे के बीच किसी तरह की लापरवाही या समझौता है?

ऋसोहावल ट्रैक पर मौत का सिलसिला कब थमेगा? क्या प्रशासन सच में जांच करेगा या चौथी लाश भी आंकड़ों में गुम हो जाएगी?

विश्वविद्यालय के सामने तालाब को जमींदोज़ करने का खेल

» जिला प्रशासन मौन, भू-माफिया सक्रिय!

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या ।डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सामने स्थित 44 बिस्सा का तालाब अब पहचान खो चुका है। सवाल बड़ा है तालाब की ज़मीन कहां गई? वर्तमान में पांच बिस्सा भी शेष नहीं, बाकी पर घर, दुकानें, हॉस्टल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान खड़े हैं।

सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी के आदेश के बावजूद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं हो रही। नगर निगम और राजस्व विभाग पर चुप्पी साधने का आरोप है। हाउस टैक्स वसूलने पर भी सवाल उठ रहे हैं जब भूमि तालाब की है तो कर वसूली किस कानून के तहत? सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक सावंत ने आरोप लगाया कि लेखपाल और अयोध्या विकास प्राधिकरण की मिलीभगत से भू-माफियाओं ने तालाब को बेच डाला। सवाल उठता है क्या यह फाइल जिलाधिकारी तक पहुंचेगी या जवाबदेही सोई रहेगी? अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब तक पर्यावरण और न्याय की अनदेखी होती रहेगी?

लाठीचार्ज के खिलाफ एबीवीपी के पीछे खड़ी हुई सपा छात्र सभा

प्रदर्शन में पुलिस से झड़प

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के बाराबंकी में एबीवीपी के छात्रों पर लाठीचार्ज का मामला तूल पकड़ रहा है । सपा छात्र सभा भी विरोध में कूद पड़ी है। सपा छात्र सभा ने लखनऊ में राजभवन के पास जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस से झड़प हो गई।

यूपी में बाराबंकी के रामस्वरूप विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) छात्रों पर लाठी चार्ज का मुद्दा गर्माता जा रहा है। इसी बिरोध में समाजवादी पार्टी की छात्र सभा कूद पड़ी है। लखनऊ के राजभवन के ठीक सामने समाजवादी छात्र सभा ने जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में छात्र राजभवन के पास पहुंचे। यहां प्रदर्शन के दौरान उनकी पुलिस से झड़प हो गई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उन्हें खदेड़ने की कोशिश की, छात्र माने नहीं, वहीं लेट गए। इस पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इससे पहले एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को पुलिस की ओर से हुए लाठीचार्ज के खिलाफ कई स्थानों पर प्रदर्शन किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कुछ कार्यकर्ता विधानभवन के सामने पहुंच गए। एक दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने कैसरबाग स्थित एबीवीपी अवध प्रांत कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। छात्रों ने आरोप लगाया कि रामस्वरूप विवि में पुलिस के बीच गुंडे घुसे थे, पहले उन्होंने मारा। उनका जब छात्रों ने विरोध किया तो पुलिस ने जानलेवा हमला कर दिया। छात्रों का आरोप है कि लंबे समय से विश्वविद्यालय छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। लॉ डिग्री की मान्यता नहीं है। ऐसे में लॉ छात्रों के साथ धोखा किया गया है। 2022 में बार काउंसिल ऑफ इंडिया से संबद्धता के बारे में जानकारी जब ली गई तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। अगर इन सब मामलों पर रिपोर्ट नहीं आती है तो प्रदर्शन और उग्र किया जाएगा। इसके बाद पुलिस कार्यकर्ताओं को खींचकर इको गार्डन ले गई। इस दौरान कई भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया के जरिए पुलिस के लाठीचार्ज को गलत ठहराया।

एनएसयूआई का मिला साथ : एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य क्षेत्र आर्यन मिश्रा ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर पुलिस के लाठीचार्ज का विरोध किया। आर्यन की अगुवाई में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने अस्पताल पहुंचकर एबीवीपी कार्यकर्ताओं का हाल जाना। साथ ही कहा कि राजनीतिक विचारधारा भले ही अलग हो, पर छात्र होने के नाते घायल छात्रों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

कांग्रेस सांसद ने छात्रों से मुलाकात की

बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने ट्रामा सेंटर में भर्ती घायल छात्रों का हाल जाना। उन्होंने पुलिस कार्रवाई की भर्त्सना की तथा दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने दोषियों को दंडित करने की मांग उठाई। पीड़ित छात्रों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। पत्रकारों से बाचतीत में कहा कि जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण तरीके से लाठीचार्ज करना निरंकुशता और दमनकारी शासन का परिणाम है।

सपा नेता ने घायल छात्रों का हाल जाना

सपा के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने मंगलवार दोपहर को लाठी चार्ज से घायल छात्रों का हाल जाना। वह ट्रामा सेन्टर में कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। फखरुल ने छात्रों की मांगों का समर्थन किया और लाठी चार्ज की निंदा की। उन्होंने छात्रों से कहा कि वह उनकी लड़ाई में साथ है।

आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर

अब तीन साल के लिए होगी भर्ती

लखनऊ। आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। अब तीन साल के लिए भर्ती होगी। साथ ही कम से कम वेतन 20 हजार होगा। योगी कैबिनेट ने आउटसोर्स सेवा निगम के गठन को मंजूरी दे दी है। भर्तियों में लागू आरक्षण होगा। अभी यूपी में पांच लाख आउटसोर्स कर्मचारी हैं। उत्तर प्रदेश प्रदेश में सरकारी विभागों में अब आउटसोर्स कर्मी तीन साल तक अपनी सेवा दे सकेंगे। इसके बाद उनका रिन्यूवल किया जा सकेगा।

अभी तक एक साल का अनुबंध होता था। कर्मचारियों को कम से कम 20 हजार प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। अभी तक न्यूनतम मानदेय करीब 10 हजार रुपये था। इसके साथ ही विभाग अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे नहीं करेंगे। एजेंसियों का चयन उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम जेम पोर्टल के माध्यम से करेगा।

वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन के अलावा पीएफ और कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सुविधा भी मिलेगी।

पुलिस ने किया गिरफ्तार | **महिला ने प्रेम संबंधों की वजह से अपने पति की हत्या कर अंतिम संस्कार भी कर दिया**

किसी और से प्यार, पति को इनकार... पत्नी ने जीवनसाथी को क्यों मारा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गुना (मध्यप्रदेश)। मध्यप्रदेश के गुना जिले के मकसूदनगढ़ थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां के बंजारा बर्री गांव में एक महिला ने प्रेम संबंधों की वजह से अपने पति की हत्या कर दी और फिर उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया।

मामले का खुलासा तब हुआ जब परिजनों और ग्रामीणों को संदेह हुआ। पंचायत में पूछताछ के दौरान महिला ने अपना अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पंचायत और पुलिस जांच में खुलासा

गांव की पंचायत में सम्पो बाई ने खुद जुर्म कबूल किया। पुलिस जांच में भी प्रेम संबंध और हत्या की पुष्टि हुई। एसडीओपी जमीलउद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि बारीकी से की गई जांच के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी मौत

22 अगस्त को 35 वर्षीय कैलाश बंजारा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। परिवार ने इसे बीमारी से मौत बताया और अंतिम संस्कार कर दिया। लेकिन गले पर रस्सी के निशान देख परिजनों को शक हुआ। 27 अगस्त को मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

प्रेम संबंध बना हत्या की वजह : जांच के दौरान कैलाश की पत्नी सम्पो बाई की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। पूछताछ में उसने बताया कि उसका प्रेम संबंध प्रदीप भार्गव से था, जो उकावद गांव का रहने वाला है। दोनों के बीच नजदीकी बढ़ने पर यह रिश्ता गहराता गया। इस बीच दोनों में कई बार शारीरिक संबंध भी बने। कैलाश को जब शक हुआ तो वह मारपीट करने लगा।

इस बीच घटना वाले दिन सम्पो बाई के साथ पति संबंध बनाना चाह रहा था। लेकिन पत्नी ने कहा कि अभी मन नहीं है, इस बात को लेकर दोनों में जोरदार झगड़ा हो गया। इसी दौरान सम्पो बाई ने पीछे से रस्सी डालकर कैलाश का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद प्रेमी प्रदीप ने महिला को शव का तुरंत अंतिम संस्कार करने की सलाह दी ताकि हत्या का राज छिपा रहे।